CBSE Board Paper Solution-2020

कक्षा	: X
विषय	: **हिन्दी** (अ)
सेट	: **2**
कोड नं	: **3/1/2**
निर्धारित समय	: 3 **घण्टे**
अधिकतम अंक	: 80

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः **10**

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव| स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है| जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं| यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में कैसे होंगे? अत: आवश्यक है कि हम स्वावलंबन बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मज़बूत बनें| यदि व्यक्ति स्वयं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके| स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है| सफलता स्वावलंबी के पैर छूती है| आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है, जिससे

आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत होता है| स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है| आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं| स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है|

(क) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-सा गुण आवश्यक है और क्यों? 2

(ख) आत्मविश्वास क्यों आवश्यक है और कैसे जाग्रत हो सकता है? **2**

(ग) स्वावलंबन का सहोदर किसे कहा गया है और क्यों? **2**

(घ) स्वावलंबन का अभाव मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण क्यों है? **2**

(ङ.) **'आत्मबल' के लिए क्या आवश्यक है?** 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए| 1

उत्तर-

(क) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वावलंबन का गुण आवश्यक है, क्योंकि सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है|

(ख) स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता है| यदि व्यक्ति स्वयं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके|

(ग) आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं| स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है|

(घ) स्वावलंबन का अभाव मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण है| प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनेक बाधाएँ आती हैं| यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो हम जीवन में कभी भी सफल नहीं हो सकते| अत: स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है|

(ङ.) आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है, जिससे आत्मा का विकास होता है|

(च) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है – 'स्वावलंबन की आवश्यकता'|

खंड 'ख'

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए – 1x4=4

(क) एक साल पहले बने कॉलेज में शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी| (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) जो व्यक्ति साहसी है उनके लिए कोई कार्य असंभव नहीं है| (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) सवार का संतुलन बिगड़ा और वह गिर गया| (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) केवट ने कहा कि बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढाऊँगा| (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

उत्तर-

(क) एक साल पहले कॉलेज बना था और उसमें शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी|

(ख) साहसी व्यक्ति के लिए कोई कार्य असंभव नहीं है|

(ग) जैसे ही सवार का संतुलन बिगड़ा, वैसे ही वह गिर गया|

(घ) बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा| (संज्ञा आश्रित उपवाक्य)

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए| 1×4=4

(क) किसान के द्वारा खेत की जुताई की गई| (कृतवाच्य में बदलिए)

(ख) कितने कंबल बँटे? (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) आओ, यहाँ बैठ सकते हैं| (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) सैनिकों द्वारा देश की रखवाली की जाती है| (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर-

(क) किसान ने खेत की जुताई की|

(ख) कितने कंबल बाँटे गए|

(ग) आओ, यहाँ बैठा जा सकता है|

(घ) सैनिक देश की रखवाली करते हैं|

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए|1x4=4

(क) सफेद घोडा तेज़ भागता है|

(ख) खीरा लज़ीज होता है|

(ग) यह भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है?

(घ) वह हमेशा सच बोलता है|

उत्तर-

(क) विशेषण, गुणवाचक विशेषण, रंगबोधक, एकवचन, पुल्लिंग|

(ख) संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग|

(ग) विशेषण, सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन|

(घ) क्रिया विशेषण, कालवाचक, अव्यय|

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए| 1×4=4

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए|

एक ओर अजगरहिं लखि, एक ओर मृगराय|

विकल बटोही बीच ही, पर्यो मूर्छा खाय||

(ख) 'रौद्र रस' का एक उदाहरण लिखिए|

(ग) 'करुण रस' का स्थायी भाव क्या है?

(घ) उद्दीपन से आप क्या समझते हैं?

(ङ) स्थायी भाव से क्या अभिप्राय है?

उत्तर-

(क) भयानक रस

(ख) श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे|

सब शोक अपना भूलकर करतल-युगल मलने लगे|

संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पड़े|

करते हुए यह घोषणा वे हो गए उठकर खड़े|

(ग) 'करुण रस' का स्थायी भाव 'शोक' है|

(घ) उद्दीपन विभाव – जिन वस्तुओं या परिस्थितियों को देखकर स्थायी भाव उद्दीपन होने लगता है, वह उद्दीपन विभाव कहलाता है|

(ङ) सहृदय के हृदय में जो भाव स्थायी रूप से विद्यमान रहते हैं, उन्हें स्थायी भाव कहा जाता है|

खंड 'ग'

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए- 2×4=8

(क) बालगोबिन भगत के गीतों का खेतों में काम करते हुए और आते-जाते नर-नारियों पर क्या प्रभाव पड़ता था?

(ख) 'लखनवी अंदाज' रचना में नवाब साहब की सनक को आप कहाँ तक उचित ठहराएँगे? क्यों?

(ग) फादर बुल्के ने भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए क्या कार्य किए?

(घ) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आार पर लेखिका के पिताजी के सकारात्मक औरनकारात्मक गुणों का उल्लेख कीजिए।

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ की तुलना कस्तूरी मृग से क्यों की गई है?

उत्तर-

क. बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े अपने खेत में रोपनी करते थे| उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है| उनका कंठ-एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा होता और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर बच्चे खेलते हुए झूम उठते| मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते,वे गुनगुनाने लगती, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते, रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम में चलने लगती थी| यही बालगोबिन के गीतों का प्रभाव ही था|

ख. 'लखनवी अंदाज' रचना में नवाब साहब की सनक हमारी दृष्टि में उचित नहीं थी| खीरा एक सस्ता खाद्य पदार्थ है| अत: नवाब

साहब यह सोचते थे कि खीरा उनके स्तर के अनुकूल नहीं है| इसलिए वे खीरे को छीलकर, काटकर, उस पर नमक मिर्च लगाकर उसको सूँघ-सूँघ कर फेंक रहे थे| हमारी दृष्टि से खाद्‌य वस्तु को इस तरह फेकना उचित नहीं है| यह उनका झूठा अंह है| और उस झूठे अंह को संतुष्ट करने के लिए वे खाद्‌य पदार्थ को अपमान कर रहे हैं जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता|

ग. फादर बुल्के ने भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए जैसे उन्होंने अपना शोध पत्र 'रामकथा:उत्पत्ति और विकास' फादर ने मातरलिंक के प्रसिद्‌ध नाटक 'ब्लू बर्ड' का हिंदी रूपांतर किया| उन्होंने प्रसिद्‌ध अंग्रेजी हिंदी कोश तैयार किया और बाइबिल का अनुवाद हिंदी में किया| उन्होंने जीवन भर हिंदी को राष्ट्रभाषा बनवाने का प्रयास किया|

घ. 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका के पिताजी के सकरात्मक व नकरात्मक गुण इस प्रकार है-

सकरात्मक गुण-पिताजी लेखिका को चूल्हे-चौके से दूर रखना चाहते थे| वे चाहते थे कि लेखिका उच्चशिक्षा प्राप्त करे व राजनितिक बहसों में हिस्सा ले|

नकरात्मक गुण-पिताजी बाहरी सौंदर्य को महत्त्व देते थे इस कारण वह लेखिका के साँवले होने पर उसकी बड़ी बहन को अधिक प्यार देते थे|

ङ. बिस्मिल्ला सुर में माहिर होने के बाद भी ईश्वर से सुर बक्श देने की प्रार्थना करते थे| वे ऐसे सुर चाहते थे जिसकी तासीर से आँखों से आँसू निकल आए| वे स्वयं को पूर्ण नहीं मानते थे| वे हिरण की तरह अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसमें उसकी गमक समाई है| अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ भी यही सोचते आ रहे थे कि सातों सुरों को बरतने की तमीज उन्हें सलीके से अब तक नहीं आई है|

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2x3=6

पानवाले के लिए यह एक मजेदान बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए- काँचवाला - यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ..............!

(क) पानवाले के लिए क्या बात मजेदार थी और क्यों?

(ख) हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक 'बेचारा' क्यों था?

(ग) हालदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने की क्या - क्या संभावनाएँ व्यक्त कीं?

उत्तर-

क. पानवाले के लिए यह बात मज़ेदार थी कि कैप्टन चश्मे वाला रोज मूर्ति का चश्मा बदल देता है क्योंकि उसके लिए यह कोई देशभक्ति से जुड़ी बात दिखाई नहीं देती थी|

ख. हलदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक मास्टर मोतीलाल, जिसने यह मूर्ति बनाई थी क्योंकि उस पर जल्दी बनाने का दबाव देकर यह मूर्ति बनवाई थी | जल्दी बनाने के दबाव के कारण वह मूर्ति पर चश्मा लगाना भूल गया था|

ग. हलदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने के अनेक संभावनाएँ प्रकट की थीं कि मूर्तिकार को यह समझ नहीं आया होगा कि पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए-काँचवाला- वह तय नहीं कर पाया होगा या कोशिश की होगी उअर असफल रहा होगा या बनाते-बनाते कुछ और बारीकी के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा या पत्थर अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा|

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2x3=6

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।।

(क) 'इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।' में निहित व्यंग्य को समझाइए।

(ख) श्रीकृष्ण द्वारा चुराए गए मन को वापस माँगने में निहित गोपियों की मनोव्यथा को स्पष्ट कीजिए

(ग) गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म क्या है? उन्होंने 'राजधर्म' का उल्लेख क्यों किया है?

उत्तर-

क. इस पंक्ति में गोपियाँ कृष्ण पर व्यंग्य करती हैं कि एक तो कृष्ण पहले से ही बहुत चुतर थे कि उन्होंने गोपियों का ह्रदय चुरा लिया था| अब तो गुरु से राजनीति पढ़ आए है और राजनीति सीखकर उन्हें योग का संदेश भेजा है जबकि उन्हें गोपियों को संतुष्ट करने के लिए स्वयं स्वयं आना चाहिए था तो उन्होंने दूत को योग संदेश देने के लिए भेजा है| गोपियों के निस्वार्थ प्रेम की आवश्यकता नहीं है|

ख. गोपियाँ अत्यंत भाव विह्वल होकर कहती है कि कृष्ण उनका मन चोरी से अपने साथ ले गए थे अब उन्हें वापस दे दें| इससे स्पष्ट होता है कि कृष्ण उनका हृदय वापस कर दें|

ग. गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म अपनी प्रजा का पालन करना और उसके सुख-दुख का ध्यान रखना होता है| गोपियों ने 'राजधर्म' का उल्लेख इसलिए किया है क्योंकि कृष्ण ने राजधर्म नहीं निभाया है| गोपियों रूपी अपनी प्रजा का योग संदेश भेजकर उनका मन दुखाया है| उन्हें स्वयं आकर अपने दर्शन गोपियों को देने चाहिए थे किंतु उन्होंने ऐसा न करके राजधर्म का पालन नहीं किया है|

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 - 40 शब्दों में लिखिए – 2x4=8

(क) 'अट नहीं रही है ' कविता में 'उड़ने को नभ में तुम पर-पर क्र देते हो' के आलोक में बताइये की फागुन लोगों के मन को किस तरह प्रभावित करता है?

(ख) शिशु के धूलि -धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन ने क्या कल्पना की?

(ग) प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा क्यों कहा गया है? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए।

(घ) 'संगतकार' कविता में कवि ने आम लोगों से क्या अपेक्षा की है?

(ड़) परशुराम के प्रति लक्ष्मण के व्यवहार पर अपने विचार लिखिए|

उत्तर-

क. फागुन मास में वृक्षों-पौधों के पत्ते हवा में लहराते हुए फड़-फड़ाने लगते हैं| मानों वे ख़ुशी से आकाश में उड़ जाना चाहते हैं| फागुन में मानव के तन पर मस्ती छा जाती है| जिसके कारण लोगों के चेहरों पर ख़ुशी झलक-झलक उठती है|

ख. शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन कल्पना करता है कि मानों कमल के फूल तालाब में नहीं, बल्कि मेरी झोपड़ी में खिल उठे हो| आशय यह है कि तुम्हारे धूल-सने शरीर को देख मन कमल के समान खिल उठता है|

ग. प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा कहा गया है क्योंकि मृगतृष्णा झूठे आकर्षणों का प्रतीक है| जिस प्रकार हिरण को धूप के कारण तपती हुई रेत दूर से पानी जैसी दिखाई देती है, किंतु वह सच नहीं होती, उसी प्रकार यश और वैभव भी व्यर्थ के आकर्षण होते हैं|

घ. 'संगतकार' कविता में कवि ने आम लोगों से अपेक्षा करते हैं कि वे कलाकारों के अपना स्वर नीचे रखने को उसकी कमजोरी नहीं मानवता समझे जो कि वह मुख्य गायक के सम्बल को बनाए रखता है| अत: आम लोगों को उसका आदर करना चाहिए और उसके मनोबल को बनाए रखना चाहिए|

ङ. मुनि परशुराम जी ने अपने गुरु शिवजी का धनुष टूटा देखा तो वे जनक की सभा में क्रोध प्रकट करने लगे| जब लक्ष्मण ने पहले

तो परशुराम को कहा कि धनुष तोड़ने वाले के मन में आपके गुरु के अपमान का भाव नहीं है| जब इस पर भी परशुराम प्रचंड होने लगे तो लक्ष्मण ने व्यंग्य, कटाक्ष और चुनौती के स्वर में अपनी प्रतिक्रिया दी|

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए - 3x2=6

(क) 'बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं। 'माता का आँचल' पथ के आधार पर इस कथन के उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) जॉर्ज पंचम की लाटकी टूटी नाक लगाने के क्रम में पुरातत्व विभाग की फाइलों की छानबीन की जरूरत क्यों आ गई? क्या उससे समाधान संभव था? क्यों?

(ग) यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम हैं। 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तांत के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

उत्तर-

क. बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं यह ‘माता का आँचल’ पाठ से सिद्ध होता है| शिशु भोलानाथ को अध्यापक डाँटते हैं तो उसे रोता देख उसके पिताजी उसे घर ले जाने के लिए लेकर चल देते हैं| तो वह रो रहा होता है लेकिन साथ के बच्चों को खेलता देखकर

वह खेलने लगता है| इसी प्रकार चोट लगन, आपस में झगड़ने पर भी वह पुन: खेलने लगता है| अत: सिद्ध होता है कि बच्चे रोना-धोना, पीड़ा आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते वे सब भूलकर पुन: खेलने लग जाते हैं|

ख. जॉर्ज पंचम की लाट की टूटी नाक लगाने के क्रम में जब मूर्तिकार ने ये कहा कि नाक तो वह लगा देगा परंतु उसे बताया जाए कि इस लाट का पत्थर कहाँ से लाया गया था| उसका यह सवाल सुनते ही हुक्कामों के चेहरों पर हवाइयाँ उड़ गई| आख़िरकार पुरातत्व विभाग की फाइलों के ढेर खोले गए| इससे समाधान संभव था क्योंकि पुरानी फाइलों में इसका जिक्र अवश्य होता कि लाट के लिए पत्थर कहाँ से आया| पत्थर कहाँ से आया| पत्थर का पता चलते हिया समस्या का समाधान संभव हो जाता |

ग. 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर हम कह सकते हैं कि 'यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम है|' यात्रा करने से हम विभिन्न स्थानों के स्थानीय निवासियों से मिलते हैं और उनका परिचय प्राप्त करते हैं| स्थान विशेष की संस्कृति को जानते है, समझते है और अपनी संस्कृति से तुलना कर उसका सामान्यीकरण करते हैं| विभिन्न संस्कृतियाँ हमें प्रभावित करती हैं और उसके कुछ गुण भी अपना लेते हैं|

खंड-घ

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए- 10

(क) महात्मा गांधीजी की 150 वीं जयंती

- मनाने के उदेश्ये
- गांधीजी का जीवन
- आजादी के आंदोलन में भूमिका
- प्रासंगिकता

(ख) महानगरीय भीड़भाड़ और मेट्रो

- यातायात और भीड़ भाड़
- प्रदूषण की समस्या
- मेट्रो रेल की भूमिका
- मेट्रो के लाभ

(ग) ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन

- ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण
- ग्लोबल वार्मिंग से हानियाँ
- बचाव के उपाय

उत्तर-

(क) महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती

मनाने के उद्देश्य

महात्मा गांधी हमारे देश के राष्ट्रपिता हैं। देश में उनकी 150वीं जयंती 2 अक्टूबर 2019 को बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस जश्न में स्कूल, कॉलेज और अन्य संस्थानों ने जमकर हिस्सा लिया। इस माध्यम से लोगों ने गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की कोशिश की गई। इस अवसर पर हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया।

गांधीजी का जीवन

गांधीजी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 में गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उनके पिता का नाम करमचंद और माता का नाम पुतलीबाई था। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। संसार में वे सत्य और अहिंसा के पुजारी के रूप में जाने जाते हैं। महात्मा गांधी अपने सादा जीवन और उच्च विचारों के कारण सबके प्यारे बापू और राष्ट्रपिता बन गए।

आजादी के आंदोलन में भूमिका

भारत के आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी जी ने बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी जी ने असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन

और नमक सत्याग्रह जैसे आंदलनों के कारण अंग्रेज अपनी नीतियाँ बदलने और भारत छोड़ने पर मजबूर हो गए।

प्रासंगिकता

महात्मा गांधी जी का जीवन और उनकी शिक्षा आज भी हमारे लिए बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने हमे यह भरोसा दिलाया कि बड़ी से बड़ी लड़ाई सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर जीती जा सकती है। सफाई के प्रति गांधीजी की शिक्षा को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस अवसर पर पूरे देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया।

(ख) महानगरीय भीड़भाड़ और मेट्रो

यातायात और भीड़भाड़

महानगरों में लोग सुबह होते ही काम पर निकल जाते हैं। महानगरों में लोगों के आवागमन के अनेक साधन होते हैं। इससे सड़कों पर सुबह होते ही भीड़ लग जाती है। यातायात के साधनों की बहुलता और भीड़ के कारण लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। इससे लोगों को कई बार ट्रैफिक जाम में घंटों फँसे रहना पड़ता है।

प्रदूषण की समस्या

अत्यधिक मात्रा में यातायात और भीड़भाड़ के कारण महानगरों में प्रदूषण की समस्या बढ़ जाती है। गाड़ियों का शोर ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाता है। गाड़ियों से निकलती जहरीली गैसें हमारे

जीवन और पर्यावरण के लिए बहुत ही हानिकारक हैं। इनसे तरह-तरह की बीमारियाँ फैलती हैं।

मेट्रो रेल की भूमिका

यातायात से बचने के लिए आज के युग में मेट्रो आवागमन का सबसे लोकप्रिय साधन बन गया है। महानगरों के व्यस्त जीवन और शोरगुल वाले माहौल में मेट्रों से यात्रा करना आनंददायक होता है। मेट्रो में यात्रा करते समय यात्री ट्रैफिक से बच जाते हैं। इससे यात्रियों का समय भी बचता है और उन्हें सुकून भी मिलता है।

मेट्रो के लाभ

मेट्रो में यात्रा करने के बहुत लाभ हैं। मेट्रो के अनुशासन, सेवाएँ साफ-सफाई और समय की पाबंदी के कारण हम बहुत सारी असुविधाओं से बच जाते हैं। मेट्रो का एयर कंडीशंस कोच हमारे मन को सुकून देता है। उसकी तुरंत चिकित्सा सेवाएँ हमारे जीवन के लिए लाभदायक हैं। मेट्रों में दिव्यांगों के लिए जितनी सुविधाएँ मिलती है, उतनी शायद ही किसी सार्वजनिक यातायात के साधन में मिलती है। मेट्रो हमारे समाज और पर्यावरण दोनों के लिए लाभदायक है।

(ग) ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन

ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय

ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय है-हमारी धरती की सतह पर औसतन तापमान का बढ़ना। ग्लोबल वार्मिंग दुनिया के सभी देशों के लिए एक विकट समस्या है।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण

ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा जिम्मेदार मनुष्य है। मनुष्य आर्थिक विकास और सुविधाओं के लिए बिजली, उर्वरक, जीवाश्मों का अत्यधिक मात्रा में दोहन करता जा रहा है। इससे धरती पर जीवन पर संकट मँडराने लगा है। प्राकृतिक सुविधाओं के अत्यधिक दोहन से धरती पर कार्बन डाइऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस कारण धरती की सतह पर तापमान की अत्यधिक वृद्धि हो रही है। इससे जलवायु में आकस्मिक सूखा, बाढ़ और सुनामी आ रहे हैं और जन-जीवन प्रभावित हो रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग से हानियाँ

धरती पर कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन आदि गैसों में निरंतर वृद्धि से अप्रत्याशित चक्रवात, सूखा, बाढ़, सुनामी इत्यादि मानव जीवन पर बहुत हुरा प्रभाव डाल रहे हैं। इन गैसों की अत्यधिक मात्रा से ओजोन परत को नुकसान पहुँच रहा है। इन गैसों के अत्यधिक उत्सर्जन से कई जीव-जंतु धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोते जा रहे हैं। यदि पर्यावरण में इन गैसों की मात्रा

बढ़ती रही तो वह दिन दूर नहीं की धरती पर जीवन ही न बच पाए।

बचाव के उपाय

ग्लोबल वार्मिंग से धरती पर पाए जाने वाले सभी जीवोम पर खतरा मँडरा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण हमारी विलासिता और हमारी बुरी आदतें हैं। हमारे द्वारा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, बिजली, उर्वरकों और जीवाश्मों आदि के अत्यधिक उपयोग से धरती पर ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा बढ़ रही है। हमें पेड़ो की कटाई पर तुरंत रोक लगाना चाहिए। जरूरत से ज्यादा बिजली का उपयोग नहीं करना चाहिए। हमें अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करना चाहिए, तभी हम अपनी धरती और पर्यावरण को सुरक्षित कर पाएँगे और अपना जीवन बचा पाएँगे|

12. **पुस्तकालय में हिन्दी के प्रशिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने के लिए प्राचार्य को एक प्राथना-पत्र लगभग 80 -100 शब्दों में लिखिए। 5**

अथवा

आपकी बड़ी बहन को चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त हो गया है। इस सफलता के लिए बधाई-पत्र लगभग 80 -100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर-

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय- महोदया,

अ,ब, स विद्यालय,

दिल्ली-110001

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारे पुस्तकालय में तुलसीदास मुंशी प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद आदि हिंदी के सुप्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। इन लेखकों की पुस्तकें पढ़ने में मेरी गहन रुचि है।

तुलसीदास- रामचरित मानस

मुंशी प्रेमचंद- बड़े भाई साहब

जयशंकर प्रसाद- चंद्रगुप्त

अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि उपरोक्त हिंदी के सुप्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने की कृपा करें। इसके लिए मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

कखग

कक्षा- दसवीं

अथवा

आपकी बड़ी बहन को चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त हो गया है। इस सफलता के लिए बधाई-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

कक्ष संख्या 20

अ ब स विद्यालय

छात्रावास, रामकृष्ण आश्रम मार्ग दिल्ली

आदरणीय दीदी

सादर प्रणाम।

दीदी अभी आपका पत्र मिला। इस पत्र में बड़ी ही सुखद सूचना प्राप्त हुई कि आपका लखनऊ के प्रसिद्ध चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश मिल गया। यह जानकर मैं खुशी से फूला नहीं समा रहा हूँ। आपको हार्दिक बधाई देता हूँ। आपने दिन-रात पढ़ाई करके यह लक्ष्य हासिल किया है। अब मैं भी आपकी तरह मेहनत करके बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने का प्रयास करूँगा।

आपकी इस महान सफलता पर आपको बहुत-बहुत बधाई। ईश्वर आगे भी आपको ऐसी सफलता प्रदान करे।

माता-पिता जी को मेरा चरणस्पर्श कहिएगा

पत्रोत्तर की आशा में,

आपका अनुज

कखग

दिनांक 19 जुलाई 2019

13. देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से लगभग 25 -50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । 6

अथवा

आपके नगर में मिठाई की एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25 -50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर-

करिए आप जरूर मतदान,
आपसे लोकतंत्र की पहचान

मुख्य निर्वाचन अयुक्त कार्यालय
नई दिल्ली

अथवा

नवरत्न मिष्ठान भंडार की है पहचान

शुद्ध देसी घी से बनते सब मिष्ठान

आपके शहर में खुली है मिठाई की नई दुकान,

नवरत्न है उसका नाम और शुद्धता है उसकी पहचान।

नवरत्न मिष्ठान भंडार,

शालीमार बाग नई दिल्ली